

प्रेषक,

डी0एस0 गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 26 फरवरी, 2015

विषय : वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 में नगर पंचायत, चिन्यालीसौड़ (जिला-उत्तरकाशी) को अवस्थापन विकास निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि नगर पंचायत, चिन्यालीसौड़ द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों के प्रस्ताव/आगणन उपलब्ध कराते हुए अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत, धनराशि की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है। तत्क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगर पंचायत, चिन्यालीसौड़ को संलग्नक-1 में उल्लिखित विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु कार्यवार संस्तुत कुल ₹20.41 लाख (रुपये बीस लाख इकतालीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन में रखे जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (xi) उक्त धनराशि ₹20.41 लाख (रुपये बीस लाख इकतालीस हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अनुसार नगर पंचायत, चिन्यालीसौड़ को बैंक ड्राफ्ट अथवा चेक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (xii) निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- (xiii) स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।
- (xiv) सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानको के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे।
- (xv) कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित तकनीकी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (xvi) निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
- (xvii) मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।
- (xviii) उपरोक्त स्वीकृत कार्यों में यदि कोई कार्य किसी अन्य मद/योजना से करा लिया गया है, तो उक्त स्वीकृत कार्य के सापेक्ष धनराशि राजकोष में जमा करा दी जाय।
- (xix) नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में कार्यदायी संस्था द्वारा ठेकेदार के साथ किये जाने वाले Construction Agreement में एक वर्ष का Defect Liability Period तथा 3 वर्ष तक अनुरक्षण की शर्त भी रखी जायेगी।
- (xx) धनराशि का दिनांक 31-3-2015 तक पूर्ण उपयोग कर, कार्यों का कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय के अनुदान सं०-13 के लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास- आयोजनागत-191-स्थानीय निकायो, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05-नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास"-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता' के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 88/XXVII(2)कार्य/2005, दिनांक 21.02.2005 में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी किये जा रहा है।

4- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 183/XXVII(1)/2012, दिनांक 28.03.2012 में सुनिश्चित व्यवस्थानुसार अलॉटमेंट आई डी-S.150-213-2276 के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डी०एस० गब्याल)
सचिव।

सं०- 121 (1)/IV(2)-शा०वि०-2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी/शहरी विकास मंत्री जी।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2/संयुक्त निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि शहरी विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
10. अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, चिन्वालीसौड़।
11. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड बुक।

आज्ञा से,


(ओमकार सिंह)
उप सचिव।

शासनादेश सं०: 121 /IV(2)-शणवि०-2015-54(सा०)14टी०सी०, दिनांक फरवरी, 2015 का संलग्नक।

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र.सं.	कार्य का नाम	स्वीकृत धनराशि
1.	वार्ड नं०-1 में प्रभुभगत घोसला से बूनीधार तक पी०सी०सी० रोड़ निर्माण।	2.69
2.	वार्ड नं०-2 में उधमसिंह भवन से श्यामपुर तक पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.75
3.	वार्ड नं०-3 में रामप्रकाश डिमरी भवन से पडियार भवन तक पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.75
4.	एन०एच० से राजेन्द्र नौटियाल भवन वार्ड नं०-4 पीपलमन्डी में पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.35
5.	वार्ड नं०-5 में चन्द्रपाल भवन से राजू भवन तक सीमेन्ट कंक्रीट ड्रेन कार्य।	2.02
6.	वार्ड नं०-6 में सुन्दरलाल भवन से कानशुरू लाल भवन तक पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.72
7.	वार्ड नं०-6 में एन.एच. से धानपुर बैड तक पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.69
8.	वार्ड नं०-7 में बनचौरा रोड़ से मिठन लाल भवन तक पी०सी०सी० खडिन्जा निर्माण।	2.44
योग-		20.41

(रुपये बीस लाख इकतालीस हजार मात्र)


(ओमकार सिंह)
उप सचिव।